यूपी बना सर्वाधिक मेट्रो-एक्सप्रेस वे वाला राज्य, स्मार्ट सिटी का इंतजार

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल को मिलाकर देखा जाए तो सरकार के सात साल पूरे हो रहे हैं। यूपी में इन सात सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बहुत सारे काम हुए। अपना यूपी सात शहरों में मेट्रो ट्रेन चलाने वाला देश का पहला प्रदेश बना तो सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे बनाने का कीर्तिमान भी अपने नाम किया। शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने के साथ ही सभी जिलों को फोर लेन से जोड़कर विकास की नींव रखी गई। अब अपना यूपी बीमारू नहीं, विकसित प्रदेश बन चुका है लेकिन स्मार्ट सिटी का काम तय समय सीमा में पूरा करना अभी भी चुनौती बना हुआ है। सात साल में सुविधाएं तो भरपूर मिलीं लेकिन अभी भी कई चुनौतियां है। ये चुनौतियां हैं, बड़े शहरों की तरह छोटे शहरों में लाइट मेट्रो रेल की सुविधा देने की और सड़कों को पूरी तरह से चकाचक करने की ।

सर्वाधिक मेट्रो व एक्सप्रेसवे वाला राज्य : यूपी आज देश का पहला ऐसा राज्य बन चुका है जहां सर्वाधिक छह शहरों में मेट्रो ट्रेन चल रही और छह एक्सप्रेस-वे हैं।

शहरी लोगों को दी गई सुविधाएं

- ऑनलाइन नक्शा पास करने की व्यवस्था लागू की गई
- ऑनलाइन अब तक 20 हजार भवनों का नक्शा पास किया जा चुका है
- प्रदेश में 100 नई आवासीय टाउनशिप विकसित की जाएंगी
- गोरखपुर, चित्रकूट, अलीगढ़, बुलंदशहर, आगरा, झांसी व बरेली को अब तक 1000 करोड़ दिए गए
- अयोध्या, मेरठ, आगरा, आवास विकास परिषद, मुरादाबाद, वाराणसी और कानपुर को 1580 करोड़ दिए गए।

लखनऊ, कानपुर, आगरा, नोएडा, गाजियाबाद व ग्रेटर नोएडा में मेट्रो चल रही है। गोरखपुर में लाइट मेट्रो ट्रेन चलने की दिशा में काम शुरू हो चुका है।

इसके अलावा वाराणसी में रोपवे पर काम शुरू हो चुका है। प्रदेश में आज छह एक्सप्रेस-वे चालू हो गए हैं और सातवें का काम चल रहा है।

सर्वाधिक एयरपोर्ट : यूपी जल्द ही देश का पहला ऐसा राज्य होगा, जहां एक-दो नहीं बल्कि पांच-पांच अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट चालू हो जाएंगे। प्रदेश में अब तक 15 एयरपोर्ट आगरा, त्रिशूल (बरेली) गोरखपुर, हिंडन (गाजियाबाद), प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती और चित्रकूट में घरेलू, जबकि लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट चल रहे हैं।

इन शहरों में मेट्रो सुविधा

- **लखनऊ :** अमौसी एयरपोर्ट से मुंशी पुलिया तक कुल स्टेशन 21
- **कानपुर :** आईआईटी से नौबस्ता तक कुल 22 स्टेशन
- **आगरा :** पहला कॉरिडोर सिकंदरा से ताज ईस्ट गेट 14 किमी
- नोएडा,ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद में मेट्रो रेल चल रही है
- लखनऊ में फेस एक- बी का काम शुरू होने वाला है।
- प्रयागराज, बरेली व झांसी में लाइट मेट्रो रेल चलाने के लिए डीपीआर तैयार हो रहा है

कुछ चुनौतियां भी

- शहरों में तय समय पर सुविधाएं विकसित करनी होंगी
- लाइट मेट्रो रेल का काम जल्द शुरू कराना होगा
- सड़कों के चौड़ीकरण में अवैध निर्माण हटाना होगा
- जरूरतमंदों को आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करानी होगी
- सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाए रखना होगा
- वेंडिंग जोन और नॉन वेंडिंग जोन बनाकर शहर को सुंदर बनाना होगा।